No. of Printed Pages : 3

BSKE-142

बी. ए. सामान्य
(बी. ए. जी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022
बी. एस. के. ई.-142 : रंगमंच और नाट्यकला

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्नपत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 15 = 60$

1. अभिनवगुप्त के मत में नाट्यगृह के भेदों का वर्णन कीजिए।

2. रेवाप्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित नाट्यगृह विषयक मान्यताओं का वर्णन कीजिए।

3. नाट्यगृह की निर्माण विधि का उल्लेख कीजिए।

4. नाटक के भेदक तत्व के रूप में रस का मूल्यांकन करते हुए रसनिष्पत्ति के उपादानों का वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

5. नाट्य में प्रयुक्त सन्धियों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. नाट्यसंवाद के प्रकारों में किन्हीं ***चार*** तत्वों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

7. नायिका की परिभाषा बताते हुए पठित अंश के आधार पर नायिका के भेदों का लक्षणोदाहरण के साथ वर्णन कीजिए।

8. नाट्य की उत्पत्ति तथा विकास का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. मन्दिरों के संस्कृत रंगमंच पर टिप्पणी लिखिए।

2. व्यभिचारी भाव का लक्षण क्या है ? किन्हीं **पाँच** व्यभिचारी भावों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

3. खुला रंगमंच तथा लोक रंगमंच का वर्णन कीजिए।

4. अनुभाव तथा सात्विक भाव का लक्षणोदाहरणपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. स्वगत और आकाशभाषित का वर्णन कीजिए।

6. कार्यावस्थाओं पर टिप्पणी लिखिए।

7. प्रकरी और पताका से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

8. नाटक और प्रकरण पर टिप्पणी लिखिए।